डा0 कपिल देव शर्मा
निदेशक

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
रुड़की-247667

# निदेशक की कलम से .....

मुझे यह कहते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी अपनी वार्षिक हिन्दी पत्रिका "प्रवाहिनी" के 11वें अंक का प्रकाशन कर रहा है। इस वर्ष संस्थान की स्थापना की रजत जयन्ती के उपलक्ष्य पर उक्त पत्रिका को "विशेषांक" के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है ।

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान भारतीय संविधान में राजभाषा हिन्दी के सन्दर्भ में किए विभिन्न प्रावधानों तथा राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों / अनुदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए दृढ़संकल्प है। संस्थान राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में यथानिर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार एवं विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के पूरे प्रयास करता रहा है। दैनिक एवं प्रशासनिक कार्यों के अलावा वैज्ञानिक प्रकृति के कार्यो को भी हिन्दी में निष्पादित करने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं। संस्थान के अधिकांश कम्पयूटरों पर हिन्दी सॉफ्टवेयर लोड किया गया है, जिसका यथापेक्षा लाभ अर्जित किया जा रहा है। मुझे आशा है कि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान आने वाले समय में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग, प्रचार-प्रसार एवं विकास की दिशा में और अधिक प्रगति करेगा।

"प्रवाहिनी" पत्रिका के इस अंक में संस्थान के ही नहीं अपितु संस्थानेत्तर लेखकों ने भी अपने रोचक एवं ज्ञानवर्द्धक लेख प्रस्तुत किए हैं। इन समस्त लेखकों ने राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार के इस पुनीत कार्य में जो सराहनीय योगदान दिया है उसके लिए मैं उनका हृदय से आभार प्रकट करता हूँ। मुझे आशा है कि यह पत्रिका जनसाधारण के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

मैं प्रवाहिनी के इस अंक के सम्पादन, टंकण तथा प्रकाशन संबंधी समस्त कार्यों से जुड़े समस्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई देता हूँ तथा इस पत्रिका की श्रीवृद्धि की मंगल कामना करता हूँ ।

( कपिल देव शर्मा ) 5/9/04